

सर्विषयी हि तावमौ भूवतु: so v. a. sie standen in einiger Entfernung von einander R. 5,44,9. — 2) Gebiet, Beretch in übertr. Bed.; = गोचर TRIK. H. an. MED. चतुर्षोर्विषयः Gesichtskreis, Sehweite R. 5,24,17. चतुर्विषय (s. auch bes.) dass.: आ चतुर्विषयाच्चैनं दर्श पुनः पुनः MBH. 14,1587. चतुर्विषयमागतः R. 6,81,18. fg. MĀKĪH. 109,12. चतुर्विषया-तिक्रांत HIR. 14,12. अचतुर्विषये (s. auch अचतुर्विषय) R. 2,63,21. द-ग्विषयोपगत VARĀH. BRH. S. 104,52. दृष्टिविषये RAGH. 13,79. नयन° s. bes. अग्रवण° Hörweite MEGH. 101. ज्ञान° ÇĀKĪH. ÇR. 13,5,1. MBH. 14,296. मनो° KUMĀRAS. 6,17. या विषये स्थिताः so v. a. dazwischenliegend RV. PRĀT. 17,2. गन्धस्य विषयः ist die Erde MBH. 14,299. रसस्य das Wasser 392. रूपस्य das Licht 304. स्पर्शस्य die Luft 306. शब्दस्य der Aether 308. जीवितव्य° so v. a. Lebensdauer PĀNĀT. 4,16. fg. जीव° dass. ed. orn. 1,19. विषये im Bereich von so v. a. in Bezug auf: अत्र विषये in Bezug darauf MBH. 13,5682 nach der Lesart der ed. Bomb. PĀNĀT. 64,12. 14. 114,20. स्त्रीणां विषये को ऽत्र संदेहः 27,18. युवति-विषये मृष्टिराद्येव धातुः MEGH. 80. अद्वे बुद्धिप्रागल्भ्यमस्य नीतिविषये PĀNĀT. 112,19. तन्मयाद्यास्य मित्रविषये विश्वासः समुत्पन्नः 131,11. ध-नविषये तया संतापो न कार्यः 139,3. मन्ये त्वां विषये वाचां ज्ञातमन्यत्र च्छांदासात् BHĀG. P. 1,4,13. परस्वविषये स्पृहा AK. 1,1,3,24. SARVADARÇANAS. 84,7. 8. Am Ende eines adj. comp.: अल्पविषया मतिः ein kleines Gebiet umfassend RAGH. 1,2. — 3) ein Gebiet, auf dem man sich heimisch fühlt, das man beherrscht, Jmdes Fach, — Sache; = यस्य यो ज्ञातस्तत्र AK. 3,4,34,154. H. an. MED. सर्वत्रैदरिकस्याभ्यवर्क्यमेव विषयः VIKR. 39,14. एष प्रजासकस्त्रीणां विषयः KATHĀS. 32,126. योगि-न्या मन्त्रमार्गो ऽयं नास्माकं विषयः पुनः 37,191. नात्रास्माकं गतिविषयः PĀNĀT. ed. orn. 83,20. विषये सति वदयामि so v. a. wenn ich es weiss MBH. 13,2206. न त्वामविषये नियोजयामि कथं च न 2207. न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम ÇĀK. 55,20. — 4) Wirkungskreis, Erscheinungsgebiet: रवेरविषये so v. a. wenn die Sonne nicht scheint Spr. 1964. 2491. गु-णसमुदायावातिविषयां द्युतिम् so v. a. sich in der Erlangung vieler trefflicher Eigenschaften manifestierend 2822. अक्काशविषया निर्वृतिः sich als Masse äussernd 2879. — 5) ein fest umgrenztes —, umschrie- benes Gebiet: कुरुसि विषये so v. a. nur im Veda KĪC. zu P. 1,2,36. संहिताविषये Schol. zu 39. am Ende eines adj. comp.: स्त्री° so v. a. ein femininum tantum ÇĀNT. 1,5,2,2. नन्विषय ein neutrum tantum 3. आ-व्विषय stets auf आ (femin.) ausgehend 1,20. कुर्याद्ब्राह्मणानि च तद्विष-याणि die unter diese Kategorie fallen P. 4,2,66. — 6) ein für Etwas geeigneter Boden, das am-Platze-Sein: क इह परितापस्य विषयः Spr. (II) 325. सामादीनां मध्ये कस्यात्र विषयः PĀNĀT. 227,22. — 7) das Ob-ject eines Sinneswerkzeuges (Laut u. s. w.) AK. 1,1,4,16. 3,4,34,154. H. 1384. H. an. MED. गन्धरूपरसस्पर्शशब्दाश्च विषयाः स्मृताः JĀGĪ. 3,91. ANĀTAN. UP. in Ind. St. 9,25. ÇĀKĪ. ebend. 17,N.2. SUÇR. 1,311,t. TATTVAS. 6. प्राणो गन्धविषयं बुध्यते 14. RĀGĀ-TAR. 2,3. SARVADARÇANAS. 24,1. द्यु-तिविषयगुणा (तनुं d.i. आकाश) ÇĀK. 1. तमेकदृश्यं नयनैः पिबन्त्यो नार्यो न जग्मुर्विषयात्तराणि KUMĀRAS. 7,64 = RAGH. 7,12. Wenn मनस् zu den इन्द्रिय gezählt wird, erscheinen sechs विषयाः NILAK. 22. COLEBR. Misc. Ess. I,290. — 8) Bez. der Zahl fünf VARĀH. BRH. S. 8,21. 77,23. 98,1. BRH. 1,19,7,1. — 9) pl. die Sinnesobjecte als Gegenstände des Genusses, VI. Theil.

die Sinnenwelt, Sinnengenuss: इन्द्रियाणि कृपानाहुर्विषयांस्तेषु गोच-रान् KATHOP. 3,4. इन्द्रियाणां विचरतां विषयेष्वपकारिषु Spr. (II) 1113. द्रिपमाणां विषयैरिन्द्रियाणि M. 6,59. विषयेष्वप्रसक्तिः 1,89. विष-येषु सज्जति 6,55. 7,30. Spr. (II) 808. विषयेषु प्रजुष्टानि (इन्द्रियाणि) M. 2,96. यथा यथा निषेवते विषयान्विषयात्मकाः 12,73. विषया विनि-वर्तते निराकारस्य देहिनः BHAG. 2,59. विषयाणां सुखम् R. 1,9,3. असा-राः Spr. (II) 776. स्वोक्ताः (I) 1193. नोपभोक्तुं न च त्यक्तुं शक्नोति वि-षयाञ्जरी 1632. BRAHMA-P. in LA. (III) 54,22. अनाकृष्टस्य विषयैः RAGH. 1,23. मम सर्वे विषयास्त्वदाश्रयाः 8,68. निपच्छेद्विषयेभ्यो ऽज्ञानं BHĀG. P. 2,1,18. विषयान्प्रियान्बुद्धानः 7,4,19. °सङ्ग M. 12,18. विषयेपसेवा 32. विषयैषिन् RAGH. 1,8. °व्यावृत्तात्मन् 3,70. VIKR. 9. निर्विष्टविष-यस्तेह RAGH. 12,1. °लोत्पुल KATHĀS. 40,51. विषयोपरम् SĀMĀKĪH. 50. विषयासक्तमनस् ÇUK. in LA. (III) 32,11. विषयासक्ति 33,15. विषयोप-कास Verz. d. Oxf. H. 123,a,32. अविषयमनसो यतीनाम् MĀLAV. 1. उप-रताशेषविषयं मनः SĀH. D. 63,15. Ausnahmeweise sg.: पिबति नाम वि-षयमसंख्याताः कुमारकाः KŪLIKOP. in Ind. St. 9,13. — 10) Object überh.: पृविषयी Subject und Object SARVADARÇANAS. 69,11. MBH. 14,1373. fg. देह इन्द्रियं विषयः BHĀSHĀP. 36. विषयो द्यपुकादिश्च ब्रह्माण्डात् उदा-हृतः 37. दृष्टानुअविक° JOGAS. 1,15. 2,54. विषयो ऽयं पुराणस्य यन्मो तं पृच्छसि ein im Purāṇa behandelter Gegenstand MBH. 1,1439. यत्र यत्र पुरुषस्य संदेहः स सर्वो ऽपि विचारशास्त्रस्य विषयो भविष्यति SARVADARÇANAS. 127,10. fg. 159,1. In der Pūrvamīmāṃsā ist विषय der zu behandelnde Gegenstand eines der 5 Glieder jedes Abschnittes oder Titels: ते च पञ्चावयवा विषयसंशयपूर्वपक्षसिद्धातसंगतिरूपाः 122,21. स्वा-ध्यायो ऽध्येतव्य इत्येतद्वाक्यं विषयः 22. fg. इषु° der Gegenstand, auf den der Pfeil gerichtet wird, Ziel eines Pfeils ÇĀC. 9,40. Häufig am Ende eines adj. comp. अन्य° ein anderes Object habend, auf etwas An-deres gerichtet, — sich beziehend, Anderes betreffend: दृष्टि ÇĀK. 30. कथाः BHĀG. P. 3,13,23. अन्य° 1,8,13. त्वयि मे ऽनन्यविषया मतिः 42. य-स्मिन्नीश्वर इत्यनन्यविषयशब्दे यथार्थात्तरः keinem Andern zukommend VIKR. 1. KĪVĀD. 2,331. इत्येवंविषया बुद्धिः KULL. zu M. 2,3. तद्विषया बुद्धिः ÇĀKĪ. zu BRH. ĀR. UP. S. 73. भगवद्विषया रतिः SĀH. D. 7,13. BHĀG. P. 1,6,4. 2,9,27. 6,2,10. RĀGĀ-TAR. 5,185. मम तावदेकैव बुद्धिः पला-यनविषया nur auf Flucht gerichtet PĀNĀT. 247,6. अनुकरणमित्यादि-त्रिसूत्री स्वभावात्कृत्विषया bezieht sich auf Siddh. K. zu P. 1,4,62. वयं तु तत्सर्गसर्गविषयाः so v. a. beschäftigt mit BHĀG. P. 8,7,34. — 11) ein sich zu Etwas (gen. dat.) eignendes Object: (सा) पुंसामिष्टश्च विषयो मैथुनाय MBH. 4,832. 858. (गन्तः) नैव विषयो वाहस्य देहस्य वा Spr. (II) 1324. वराहो वा राज्ञः प्रभवति चमत्कारविषयः 1126. विषयो राजा भू-वानन्दशोकयोः so v. a. war zugänglich für RĀGĀ-TAR. 8,1231. सकलव-चनानामविषयः so v. a. unbeschreiblich MĀLATIM. 17,2. प्रभूणां हि विभू-त्यन्धा धावत्यविषये मतिः so v. a. nach Unerlaubtem KATHĀS. 17,138. — 12) im Tropus der eigentlich gemeinte Gegenstand, im Gegens. zum Bilde; z. B. in der Figur: sie schaut mit klaren Augen - Lotusen ist Auge विषय, Lotus विषयिन् KUYALĀ. 19,b. PRATĀPAR. 9,b,1. 78,a,9. — 13) verwechselt mit विषम in कात्तारविषयेषु R. 4,40,23. — Vgl. नि-र्विषय, बुद्ध°, यम°, स्व°, वैषय und वैषयिक.

विषयक am Ende eines adj. comp. = विषय. नैकमिन्द्रियं सर्वविषयकम्